हिन्दी दिवस समारोह

अग्रवाल महाविद्यालय में दिनाँक 7 सितम्बर, से 14 सितम्बर 2015 तक चलने वाले "हिन्दी चेतना सप्ताह" का अंतिम दिन "हिन्दी दिवस समारोह" के रुप में मनाया गया. इस समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री विभूषित हिन्दी–संस्कृत के प्रबुद्ध विद्धान व कवि डॉ० रमाकान्त शुक्ल और विशिष्ट अतिथि कॉलेज प्राचार्य डॉ० कृष्णकान्त गुप्ता थे. डॉ० शुक्ल ने वतर्मान में "हिन्दी का महत्त्व और उपयोगिता" विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हिन्दी आज कला, व्यापार, विज्ञान और साहित्य की प्रमुख भाषा है. विश्व के अन्य देश भी हिन्दी के माध्यम से ही भारत में अपने उत्पाद बेचने में सक्षम हैं. उन्होंने संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश भाषाओं के उदाहरण देते हुए अत्यन्त रोचक शैली में हिन्दी की विकास यात्रा का वर्णन किया और संस्कृत को हिन्दी की जननी स्वीकार करते हुए बताया कि हिन्दी के तत्सम शब्द संस्कृत की ही देन हैं. उनका यह भी मानना था कि हिन्दी साहित्य के द्वारा ही मानवता का विकास संभव है. इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित डॉ० कृष्णकान्त गुप्ता ने हिन्दी भाषा के प्रति अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी एक सशक्त भाषा है और हिन्दी को राष्ट्र भाषा का गौरव दिलाने के लिए प्रत्येक भारतीय में इच्छा शक्ति होना अनिवार्य है. उन्होंने हिन्दी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए महाविद्यालय के हिन्दी विभाग को बधाई दी. हिन्दी चेतना सप्ताह के अन्तर्गत 7 सितम्बर को "पुस्तकालय प्रर्दशनी", 8 सितम्बर को "नारा लेखन

प्रतियोगिता", दिनाँक 9 सितम्बर को "लघु कथा वाचन प्रतियोगिता, 10 सितम्बर को "साहित्य प्रश्नोत्तरी", 11 सितम्बर को "श्रुतलेख", 13 सितम्बर को सुलेख तथा हिन्दी दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई. प्रेमचन्द्र की कहानी "बूढ़ी काकी" और "ईदगाह" का नाट्यरुपान्तर दिखाया गया. इन प्रतियोगितओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी थे रितु (लघु कथा वाचन), पूनम (साहित्य प्रश्नोत्तरी), गीता (सुलेख), वन्दना (श्रुत लेख), मोनिका (नारा लेखन) और पूजा शर्मा (भाषण प्रतियोगिता). इन प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में महाविद्यालय के सभी संकायों के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया. ये सभी गतिविधियाँ महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के तत्वावधान में श्रीमती किरण आनन्द, डॉ० रेनू महेश्वरी और डॉ० बाँके बिहारी के मार्ग दर्शन् में सम्पन्न हुई.